असम की संस्कृति, परंपरा और मूल्यों को गहराई से समझेंगे प्रदेश के युवा

नईदुनिया (वि.), रायपुर : युवा संगम सिर्फ एक यात्रा नहीं, देश की समृद्ध विविधता को नजदीक से देखने और अनुभव करने का मौका है। इससे समझ बढ़ेगी, साथ ही सहयोग के लिए एक सेतु बनाने का अवसर भी है। ये बातें रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने कही। दरअसल, भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) में केंद्र सरकार की प्रमुख योजना 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत युवा संगम के पांचवें चरण में प्रदेश से असम के लिए छात्रों का दल सोमवार को रवाना हुआ।

पांच दिवसीय यात्रा के दौरान प्रतिभागी असम की जीवंत संस्कृति, ऐतिहासिक स्थलों और सामुदायिक जीवन का अन्वेषण करेंगे, राज्य की परंपराओं और मूल्यों को गहराई से समझेंगे।

छात्रों से अमरेश मिश्रा ने कहा कि असम की यात्रा के दौरान मिले अनुभव को पूरी तरह से अपनाएं, क्षेत्र की परंपराओं और मूल्यों से सीखें और उस एकता की भावना को आगे बढ़ाएं जो हमारे राष्ट्र को परिभाषित करती है। आइजी अमरेश मिश्रा ने कहा कि आगे कहा कि युवाओं को विभिन्न सांस्कृतियों, परंपराओं और समुदायों को जानने का अनूठा अवसर मिलेगा। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम देश के युवाओं के बीच एकता, समझ और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

पांच दिवसीय असम यात्रा में जाने वाले प्रतिनिधि व अतिथि। ●आइआइएम

युवा संगम भारत की विविधता का उत्सव

आइआइएम के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने कहा कि युवा संगम का पांचवां चरण भारत की विविधता का उत्सव मनाने और साझा लक्ष्यों की ओर मिलकर काम करने की भावना को दर्शाता है। यह यात्रा न केवल छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाएगी, बल्कि उनमें सांस्कृतिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के दूत बनने का आत्मविश्वास भी पैदा करेगी। छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को लेकर अपनी उत्सुकता और असम की समृद्ध विरासत और परंपराओं को जानने की अपनी इच्छा साझा की।

Nai Dunia 07 Jan 2025, P.01 (City Raipur)